

प्रेषक,

आनन्द बर्द्धन,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 06 जून, 2018

विषय: श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र स्व० श्री दीवान सिंह चौहान, निवासी ग्राम बोसान, कालसी, देहरादून को जनपद देहरादून, तहसील कालसी के ग्राम बोसान के क्षेत्रान्तर्गत कुल रकबा 4.49 है० नाप भूमि में उपखनिज बालू, बजरी, बोल्टर के चुगान हेतु पर्यावरणीय अनुमति (Environment Clearance) प्राप्त होने के उपरान्त खनन पट्टा स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध अवगत कराना है कि शासन के कार्यालय संख्या-1133/VII-1/72-ख/2016, दिनांक 23 नवम्बर, 2016 द्वारा श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र स्व० श्री दीवान सिंह चौहान, निवासी ग्राम बोसान, कालसी, देहरादून को जनपद देहरादून, तहसील कालसी के ग्राम बोसान के क्षेत्रान्तर्गत खसरा सं० 144 रकबा 0.032 है०, खसरा सं० 145 रकबा 0.081 है०, खसरा सं० 146 रकबा 1.665 है०, खसरा सं० 147 रकबा 1.943 है० एवं खसरा सं० 154 रकबा 0.773 है० कुल रकबा 4.49 है० नाप भूमि में उपखनिज बालू, बजरी, बोल्टर के चुगान हेतु 01 वर्ष की अवधि हेतु खनन पट्टा पट्टा स्वीकृति हेतु ई०आई०ए० नोटिफिकेशन, 2006 के अन्तर्गत पर्यावरणीय अनुमति (Environment Clearance) प्राप्त किये जाने हेतु आशय पत्र (Letter of Intent) निर्गत किया गया था।

2. जिलाधिकारी, देहरादून के पत्र संख्या-700/खनिज अनु०/16, दिनांक 12 जनवरी, 2018 द्वारा आवेदक श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र स्व० श्री दीवान सिंह चौहान, निवासी ग्राम बोसान, कालसी, देहरादून को आशय पत्र पर स्वीकृत क्षेत्र की जिला स्तरीय पर्यावरण प्रभाव निर्धारण प्राधिकरण, देहरादून द्वारा प्रदत्त पर्यावरणीय अनुमति पत्र संख्या-02/DEIAA-2017-18, दिनांक 9 जनवरी, 2018 की प्रति निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून को प्रेषित की गयी, जिसके क्रम में निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड देहरादून के पत्र संख्या-860/खनन/दे०दू०/भू०खनि०ई०/2017-18, दिनांक 01 फरवरी, 2018 द्वारा आवेदक को उपखनिज के चुगान हेतु एक वर्ष की अवधि के लिए खनन पट्टा स्वीकृत किये जाने हेतु प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया गया है।

3. निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड द्वारा प्रस्तुत उपरोक्त प्रस्ताव के क्रम में सम्यक् विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र स्व० श्री दीवान सिंह चौहान, निवासी ग्राम बोसान, कालसी, देहरादून को जनपद देहरादून, तहसील कालसी के ग्राम बोसान के क्षेत्रान्तर्गत जिला स्तरीय पर्यावरण प्रभाव निर्धारण प्राधिकरण, देहरादून द्वारा निर्गत पर्यावरणीय अनुमति सं० 02/DEIAA-2017-18, दिनांक 9 जनवरी, 2018 द्वारा संस्तुत कुल रकबा 4.419 है० नाप भूमि में उपखनिज बालू, बजरी एवं बोल्टर के चुगान हेतु उत्तराखण्ड उपखनिज (बालू, बजरी, बोल्टर) चुगान नीति, 2016 (यथासंशोधित) दिनांक 19.11.2016 के प्रावधानानुसार निम्नलिखित शर्तों के अधीन 01 (एक) वर्ष की अवधि हेतु खनन पट्टा स्वीकृत किये जाने की अनुमति प्रदान की जाती है :-

1. जिला स्तरीय पर्यावरण प्रभाव निर्धारण प्राधिकरण, देहरादून द्वारा प्रदत्त पर्यावरणीय अनुमति (Environment Clearance) पत्र संख्या-02/DEIAA-2017-18, दिनांक 9 जनवरी, 2018 में

2. उल्लिखित समस्त शर्तों का अक्षरशः अनुपालन पट्टाधारक से सुनिश्चित कराये जाने हेतु स्थानीय जिला प्रशासन तथा भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई द्वारा आवश्यक कार्यवाही करायी जायेगी।
3. जिलाधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा कि सीमाबन्धित खनन क्षेत्र में स्थायी सीमा स्तम्भ लगाये जाने की पुष्टि के उपरान्त ही ई-रवन्ना प्रपत्र एम०एम०-11 पट्टाधारक को निर्गत किया जाय।
4. पट्टाधारक उपखनिज की निकासी का त्रैमासिक विवरण निर्धारित प्रपत्र एम०एम०-12 में जिलाधिकारी कार्यालय एवं खनन विभाग को प्रस्तुत करेगा।
5. पट्टाधारक के द्वारा उत्तराखण्ड उपखनिज (बालू, बजरी, बोल्टर) चुगान नीति, 2016 के बिन्दु सं०-22(6) के अनुसार चुगान कार्य प्रारम्भ किये जाने से पूर्व वाणिज्यकर विभाग एवं भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई में पंजीकरण कराया जाना होगा।
6. पट्टाधारक के द्वारा उत्तराखण्ड उपखनिज (बालू, बजरी, बोल्टर) चुगान नीति, 2016 के बिन्दु सं०-22(3) के अनुसार चुगान पट्टा क्षेत्र के निकासी गेटों पर कम्प्यूटाईज्ड धर्मकांटा एवं सी०सी०टी०वी० कैमरा स्वयं के व्यय पर स्थापित किया जायेगा तथा रिकार्डिंग की सी०डी० प्रत्येक माह भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के जिला कार्यालय एवं जिलाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत किया जायेगा।
7. पट्टाधारक स्वीकृत क्षेत्र से उपखनिज बालू, बजरी, बोल्टर का चुगान सतह से 1.5 मी० की गहराई अथवा ग्राउन्डवाटर लेवल*जो भी न्यून हो, तक चुगान किया जायेगा।
8. उत्तराखण्ड उपखनिज परिहार नियमावली, 2001 तथा उत्तराखण्ड उपखनिज (बालू, बजरी, बोल्टर) चुगान नीति, 2016 एवं समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
9. प्रश्नगत क्षेत्र में उपखनिजों के चुगान हेतु किसी भी विस्फोटक पदार्थ का प्रयोग नहीं किया जायेगा व चुगान कार्य केवल मानव शक्ति से ही किया जायेगा।
10. प्रश्नगत क्षेत्र में उपखनिजों के चुगान का कार्य सूर्योदय से पूर्व तथा सूर्यास्त के पश्चात नहीं किया जायेगा।
11. पट्टाधारक स्वीकृत खनन क्षेत्र से उपखनिज की निकासी/परिवहन निर्धारित ई-रवन्ना प्रपत्र एम०एम० 11 पर करेगा।
12. पट्टाधारक उपखनिज की निकासी इस रीति से करेगा जिससे कि पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी को किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।
13. नियम-14 के प्रावधानानुसार पट्टाधारक के द्वारा पट्टा विलेख के निष्पादन के पश्चात उक्त विलेख का पंजीकरण कराने के उपरान्त खनन क्षेत्र से उपखनिज का चुगान प्रारम्भ किया जायेगा।

कृपया उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से शासन को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(आनन्द बर्द्धन)
प्रमुख सचिव

संख्या: 218 (1)/VII-1/2018 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड, देहरादून को उनके उक्तांकित पत्र के सन्दर्भ में।
2. श्री सतेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र स्व० श्री दीवान सिंह चौहान, निवासी ग्राम बोसान, कालसी, देहरादून।
3. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(गरिमा रौकली)

संयुक्त सचिव